भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

कला-संकाय

स्नातक

हिन्दी पाठ्यक्रम

(पंचम और षष्ठ सत्र मुख्य एवं अनिवार्य हिन्दी)

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

(जून, २०२० से अमलीकृत)

हिन्दी पाठ्यक्रम समिति

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय

जूनागढ़

(पंचम और षष्ठ सत्र मुख्य एवं अनिवार्य हिन्दी)

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक		अनिवार्य मुख्य							वर्ष	विध्या शाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	पंचम	अनिवार्य	आँचलिक उपन्यास 'मैला आँचल' एवं हिन्दी भाषा प्रविधि	अनिवार्य	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
२	स्नातक	पंचम	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल	११	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
३	स्नातक	पंचम	मुख्य	साहित्य सिद्धांत - १	१२	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
४	स्नातक	पंचम	मुख्य	हिन्दी भाषा का स्वरूप, विकास एवं व्याकरण	१३	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
				वैकल्पिक													
५	स्नातक	पंचम	मुख्य	भाषा शिक्षण - १	१३	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
६	स्नातक	पंचम	मुख्य	आधुनिक हिन्दी नाटक : आषाढ़ का एक दिन, ध्रुवस्वामिनी	१४	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
				वैकल्पिक													
७	स्नातक	पंचम	मुख्य	आधुनिक हिन्दी चरित्रप्रधान नाटक : अंजोदीदी, एक और द्रोणाचार्य	१४	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
८	स्नातक	पंचम	मुख्य	मध्यकालीन हिन्दी काव्य - १ : भ्रमरगीतसार, कवितावली	१५	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
				वैकल्पिक													
९	स्नातक	पंचम	मुख्य	प्राचीन हिन्दी काव्य - १ : पृथ्वीराज रासो (रेवा तट), विद्यापति पदावली (पद १ से २५)	१५	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
१०	स्नातक	पंचम	मुख्य	आधुनिक हिन्दी निबंध साहित्य : निबंधायन (सं. डो. केशवदत्त रुवाली)	१६	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
				वैकल्पिक													
११	स्नातक	पंचम	मुख्य	पर्यावरण एवं प्रदूषण	१६	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०५	-	-
१२	स्नातक	षष्ठ	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी काव्य : जयद्रथ-वध एवं हिन्दी भाषा प्रविधि	अनिवार्य	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
१३	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	हिन्दी की विभिन्न विधाओं का उद्भव एवं विकास	१७	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
१४	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	साहित्य सिद्धांत - २	१८	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
१५	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	हिन्दी भाषा का व्याकरण	१९	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
				वैकल्पिक													
१६	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	भाषा शिक्षण - २	१९	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
१७	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	आधुनिक हिन्दी नाटक : स्कंदगुप्त, एक कंठ विषपाई	२०	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
				वैकल्पिक													
१८	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	हिन्दी समस्यामूलक नाटक : महाभोज, सिंदूर की होली	२०	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
१९	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	मध्यकालीन हिन्दी काव्य - २ : कबीरवाणी, रहीम दोहावली	२१	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
				वैकल्पिक													
२०	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	प्राचीन हिन्दी काव्य - २ : पृथ्वीराज रासो (कयमास वध), अमीर खुसरो की पहलियाँ-मुकरियाँ	२१	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
२१	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	हिन्दी व्यंग्य निबंध : कागभगोडा (ले. हरिशंकर परसाई)	२२	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-
				वैकल्पिक													
२२	स्नातक	षष्ठ	मुख्य	भारतीय संविधान : राजनीति एवं कानून	२२	०३	३०	७०	१००	२०२०	-	-	-	-	०६	-	-

BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY
JUNAGADH
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥

सत्र : ७

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आँचलिक उपन्यास : मैला आँचल एवं हिन्दी भाषा प्रविधि
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	अनिवार्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी आँचलिक उपन्यास साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को आँचलिक परिवेश से जोडकर ग्रामीण संस्कृति से परिचित कराना ।
- छात्रों को हिन्दी भाषा प्रविधि संबंधी जानकारी देना ।
- छात्रों की अनुवाद और रपट लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	फणीश्वरनाथ रेणु : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		हिन्दी आँचलिक उपन्यासकारों में फणीश्वरनाथ रेणु का स्थान		
		'मैला आँचल' उपन्यास की कथावस्तु		
		'मैला आँचल' उपन्यास की पात्र-योजना		
	ईकाई-२	उपन्यास-कला के तत्वों के आधार पर 'मैला आँचल' का मूल्यांकन		
		आँचलिकता के परिप्रेक्ष्य में 'मैला आँचल' उपन्यास का मूल्यांकन		
		'मैला आँचल' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ		
		'मैला आँचल' उपन्यास की संवाद-योजना		
	ईकाई-३	'मैला आँचल' उपन्यास का शीर्षक		
		'मैला आँचल' उपन्यास का उद्देश्य		
		'मैला आँचल' उपन्यास का परिवेश		
		'मैला आँचल' उपन्यास की भाषाशैली		
	ईकाई-४	अनुवाद लेखन (हिन्दी से गुजराती और गुजराती से हिन्दी)		
		रपट लेखन		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : 'मैला आँचल' (उपन्यास)** **लेखक : फणीश्वरनाथ रेणु** **प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।**

संदर्भ ग्रंथ :

१. आँचलिकता से आधुनिकता बोध : डॉ. भगवतीप्रसाद शुक्ल
२. हिंदी आँचलिकता का अभ्युदय और रेणु के उपन्यास : डॉ. हरिशंकर दुबे
३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में चित्रित दलित जीवन : डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी
४. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में पुरुष : डॉ. संध्या मेरिया
५. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन : डॉ. भरत सगरे
६. आठवें दशक के आँचलिक उपन्यास : डॉ. अनिल सांलुखे – विकास प्रकाशन, कानपुर–१२
७. नागार्जुन और थामस हार्डी के आँचलिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. राखी बालगोपाल
८. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर, पुर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
९. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्त्क मन्दिर, आगा
११. आँचलिक और आधुनिक : रघुवीर चौधरी, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद
१३. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ, गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा
१४. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य : दुर्गेश नन्दिनी, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
१५. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन, महेसाणा

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	११
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण आधुनिक काल की पुन: जागरण मन:स्थिति को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण द्विवेदी युगीन सुधारवादी आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र छायावाद के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण राष्ट्रीय काव्यधारा का पठन करके एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्र प्रयोगवादी कविता के माध्यम से जन-साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्रगण प्रयोगवादी कविता के माध्यम से वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक है' संदेश को सार्थक करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		आधुनिक काल की साहित्यिक प्रवृतियाँ		
		आधुनिक काल का नामकरण		
		आधुनिक काल-काल सीमा निर्धारण एवं उपविभाजन की समस्या		
		आधुनिक काल 'गद्य काल' के रूप में		
	ईकाई-२	भारतेन्दु युग (पुन:जागरण काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ		
		भारतेन्दु युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ		
		द्विवेदी युग (जागरण, सुधार काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ		
		द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ		
		छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ		
	ईकाई-३	छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ		
		हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ		
		हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ		
		हिन्दी की हालावादी काव्यधारा – प्रमुख कवि की रचनाएँ		
		हिन्दी की हालावादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृतियाँ		
	ईकाई-४	प्रगतिवाद : प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ		
		प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ		
		प्रयोगवादी काव्यधारा : प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ		
		प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ		
		नई कविता के प्रमुख कवि, उनकी रचनाएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – साठोत्तरी हिन्दी कविता – खड़ी बोली गद्य निर्माता – रहस्यवाद – हिन्दी गीति काव्य – द्विवेदी युगीन प्रबन्ध काव्य – रहस्यवाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
लेखक : डो. नगेन्द्र
प्राप्ति स्थान : नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (काव्य खण्ड), विश्वम्भर 'मानव', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. प्रगतिवादी काव्य साहित्य : डॉ. कृष्णलाल 'हंस' मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना, पुष्पा भारती – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी काव्य, डॉ. भगीरथ मिश्र – डॉ. बलभद्र तिवारी – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
७. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
९. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्ति बोध – राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
११. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : राजकमलराय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१३. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
१४. कवि धर्म, डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठापन, नयी दिल्ली
१५. साठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान : रत्नाकुमार पाण्डेय – अनंग प्रकाशन, दिल्ली
१६. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१७. प्रमुख खंड काव्यों में आधुनिकता बोध : डॉ. आलोक मिश्र – विकास प्रकाशन, कानपुर
१८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१९. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१२
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्य सिद्धांत – १
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य-अंगों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों को जानें ।
- छात्रों में काव्य-रूपों की जानकारी से साहित्यिक रागात्मक चेतना परिष्कार होगी ।
- छात्रगण साहित्य-स्वरूपों की आपसी तुलना करें ।
- छात्रों में साहित्यिक स्वरूपों की जानकारी से सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	साहित्य : परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		साहित्य और समाज		
		साहित्य और विज्ञान		
		साहित्य और कल्पना		
	ईकाई-२	साहित्य और शैली		
		काव्य लक्षण		
		काव्य हेतू		
		काव्य प्रयोजन		
	ईकाई-३	काव्य के प्रकार		
		शब्द शक्ति		
		रस-सिद्धांत		
		अलंकार-सिद्धांत		
	ईकाई-४	रीति-सिद्धांत		
		ध्वनि-सद्धांत		
		वक्रोक्ति-सिद्धांत		
		औचित्य-सिद्धांत		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – काव्यगुण – साधारणीकरण – श्रव्य काव्य – महाकाव्य – काव्य दोष – दृश्य काव्य – प्रबंध काव्य – खण्डकाव्य		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य-विवेचन : क्षेमचन्द्र, 'सुमन', योगेन्द्र कुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
२. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
३. काव्य गुणों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. शोभाकान्त मिश्र – बिहारी हिन्दी ग्रंथ, अकादमी, पटना
४. काव्यांगिनी : प्रेम प्रकाश गौतम – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. काव्य तत्व-विमर्श : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
६. काव्य-मनीषा : डॉ. भगीरथ मिश्र – हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
७. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
८. साहित्य का श्रेय और प्रेय : जैनेन्द्रकुमार – पूर्वोदय प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. कविता के नए प्रतिमान : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व : श्री नरेश मेहता – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
११. विद्यादर्श : सं. डॉ. कपील त्रिवेदी : डॉ. बी. जे. पटेल – श्रीमती जे. सी. धानक महाविद्यालय, बगसरा
१२. भारतीय काव्य-शास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल – डॉ. जगदीश शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१३. साहित्यिक निबंध : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. बृहत् भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य-शास्त्र : डॉ. सुरेश अग्रवाल – डॉ. जगदीश शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१५. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. कृष्णदेव शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१६. साहित्य के सिद्धांत : डॉ. कैलाश उपाध्याय – साधना प्रकाशन, कानपुर

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१३
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा का स्वरूप, विकास एवं व्याकरण
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र हिन्दी भाषा की व्युत्पत्ति के बारे में जानें ।
- छात्रगण 'हिन्दी' शब्द का व्युत्पत्तिपरक इतिहास समझें ।
- छात्रगण संसार की भाषाओं का वर्गीकरण विस्तार से समझें ।
- छात्रगगण अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल के आपसी भेद को समझें ।
- छात्रगण खड़ीबोली (राष्ट्रभाषा) के विकास-क्रम को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण राजभाषा के संसदीय अनुच्छेद को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	भारतीय आर्य भाषाएँ : उद्‌भव एवं विकास : (प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ , मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ)		इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		अपभ्रंश, अवहट्‌ट, पूरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल			
		हिन्दी भाषा और उसकी बोलियाँ			
	ईकाई-२	हिन्दी शब्द : नामकरण			
		हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप			
		हिन्दी शब्द भण्डार			
	ईकाई-३	लिंग : अर्थ, परिभाषा एवं भेद			
		वचन : अर्थ, परिभाषा एवं भेद			
		काल : अर्थ, परिभाषा एवं भेद			
		कारक : अर्थ, परिभाषा एवं भेद			
		वाच्य : अर्थ, परिभाषा एवं भेद			
	ईकाई-४	**शब्द विचार : व्युत्पत्ति एवं रूपांतर की दृष्टि से शब्द के भेद**			
		विकारी शब्द (अव्यय)	**अविकारी शब्द (अव्यय)**		
		- संज्ञा : अर्थ, परिभाषा एवं भेद	- क्रिया विशेषण : अर्थ, परिभाषा एवं भेद		
		- सर्वनाम : अर्थ, परिभाषा एवं भेद	- संबंध बोधक : अर्थ, परिभाषा एवं भेद		
		- विशेषण : अर्थ, परिभाषा एवं भेद	- समुच्चय बोधक : अर्थ, परिभाषा एवं भेद		
		- क्रिया : अर्थ, परिभाषा एवं भेद	- विस्मयादि बोधक : अर्थ, परिभाषा एवं भेद		
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – हिन्दी भाषा क्षेत्र – स्वराघात – प्रयोजनमूलक हिन्दी – खडीबोली हिन्दी – भाषा और विभाषा		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
२. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्री वास्तव
३. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना : डॉ. रामप्रकाश – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
४. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
५. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. वमलेश कॉति शर्मा – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
६. हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
७. हिन्दी–भाषा : रूप–विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
८. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन – नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद
९. भाषा विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह –जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
११. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा : रामछबीला त्रिपाठी – किताब महल, इलाहाबाद–१
१२. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१३ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भाषा शिक्षण – १
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भाषा-शिक्षण के परिवर्तन को जानें ।
- छात्रगण भाषा शिक्षण की नई विधियों, प्रशासन और विकास के बारे में जानें ।
- छात्रगण भाषा संप्रेक्षण की नवीन प्रणालियों को जानें ।
- छात्रगगण भाषा शिक्षण के नव्य मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को जानें ।
- छात्रगण भाषा की संरचना और उसकी आंतरिक प्रकृति के बारे में जानें ।
- छात्रगण में प्रस्तुत पाठ्यक्रम से संप्रेक्षण एवं वाक्चातुर्य का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	**भाषा, भाषा प्रगोग और भाषिक विकल्पन**	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		मानव भाषा के अभिकल्प अभिलक्षण		
		मानव भाषा और मानवेतर भाषा		
		मानव भाषा और मानवेतर भाषा में अन्तर		
		भाषा शिक्षण के व्यापक संदर्भ		
	ईकाई-२	**भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक एवं शैक्षिक संदर्भ**		
		भाषा, व्यक्ति और समाज		
		सामाजिक स्थिति		
		शैक्षिक स्थिति		
		भाषा नियोजन और शैक्षिक नीति		
		पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम		
	ईकाई-३	**भाषा शिक्षण : प्रयोजन और सिद्धि**		
		भाषा और भाषा प्रयोक्ता		
		मातृभाषा		
		अन्य भाषा : विदेशी भाषा और द्वितीय भाषा		
		द्विभाषिक शिक्षा		
		द्वितीय भाषा और द्विभाषिक शिक्षा का अन्तर		
		भाषा शिक्षण का मनोवैज्ञानिक संदर्भ		
		ज्ञानार्जन की प्रकृति		
		भाषा सर्जन संबंधी विभिन्न दृष्टिकोण		
		साहचर्यवादी दृष्टिकोण – क्लासिक उपधारा, पावलोव और आसगुड का मध्यस्थता सिद्धांत		
		स्किनर का साधनापरक अनुक्रिया सिद्धांत		
		सत्ववादी दृष्टिकोण – चॉम्स्की और लेनेबर्ग के सिद्धांत		
		प्रक्रियापरक हासियें – पिआजे का विकासवाद		
		विभिन्न दृष्टिकोण – तुलनीयता के आधार पर भाषा अजंन और भाषा अभिगम		
		भाषा शिक्षण का व्याकरणिक संदर्भ		
		भाषा अध्ययन के तीन संदर्भ – सिद्धांत, विवरण और शिक्षण		
		व्याकरण के तीन रूप – सार्वभौम, विवरणात्मक और शैक्षिक		

		सार्वभौम व्याकरण के तीन तथ्य : अंतदृष्टि और दृष्टिकोण, प्रणाली, निरूपक भाषा		
		विवरणात्मक व्याकरण के तीन तथ्य : अनुप्रयोग, विश्लेषणात्मक पद्धति, संदर्भपरकता		
	ईकाई-४	**भाषा शिक्षण : विधि, प्रणाली और प्रणाली तंत्र**		
		भाषा शिक्षण का सांस्कृतिक, साहित्यिक और भाषावैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य		
		भाषा शिक्षण की विधियाँ–प्रत्यक्ष विधि, व्याकरण विधि, अनुवाद विधि, तुलनात्मक विधि, मिश्र विधि		
		भाषा शिक्षण की दो मुख्य धाराएँ – व्याकरण अनुवाद विधि, मौखिक वार्तालाप विधि		
		भाषा शिक्षण विधि की भाषा–वैज्ञानिक और शैक्षिक मान्यताएँ		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – भाषा–शिक्षण की दृश्य–श्राव्य विधियाँ – शिक्षार्थी का अध्ययन व्याकरण – भाषा मूल्यांकन की संकल्पना – भाषा शिक्षण का लक्ष्य – भाषा शिक्षण की परम्परागत विधि – भाषा–शिक्षण और लिपि		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : भाषा शिक्षण
संपादक : रवीन्द्र श्रीवास्तव
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा विज्ञान : डॉ. डी.डी. शर्मा – पल्लव प्रकाशन, मालीवाड, दिल्ली
२. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. राजमणि शर्मा – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ. के. डी. सावली – तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
५. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना
७. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
९. हिन्दी व्याकरण : पं. कामताप्रसाद गु – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
१०. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन', योगन्द्रकुमार मलिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
११. रसछन्दालंकार : पं. धर्मनारायण पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली
१३. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ. भोलानाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१४
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी नाटक : ध्रुवस्वामिनी, आषाढ़ का एक दिन
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्र हिन्दी नाट्य-परम्परा को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण हिन्दी नाटक की विकास प्रक्रिया में जयशंकर प्रसाद के योगदान को जानें ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से तत्कालीन राजनैतिक स्थिति को जानें ।
- जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय भावना को जानें ।
- छात्रगण 'ध्रुवस्वामिनी' की संवेदना को जानें ।
- छात्रगण मोहन राकेश के व्यक्तित्व के बारे में जानें ।
- छात्रगण पौराणिकयुगीन दर्दनाक, खौफनाक युद्ध विभिषिका को जानें ।
- छात्रगण 'आषाढ़ का एक दिन' की प्रतीकात्मकता को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		हिन्दी नाट्य साहित्य और जयशंकर प्रसाद		
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की कथावस्तु		
		नाट्यकला के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' का मूल्यांकन		
	ईकाई-२	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन		
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की रंग-परीकल्पना		
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में युग-बोध		
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में राष्ट्रीय भावना		
	ईकाई-३	मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व		
		'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का कथानक		
		नाटक तत्वों के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' का मूल्यांकन		
		'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन		
	ईकाई-४	'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की आधुनिकता		
		'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में व्यक्त समस्याएँ		
		'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में व्यक्त सांस्कृतिकता		
		'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की युग-बोध		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की संवाद-योजना – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की रंगमंचीयता – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद-योजना – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का परिवेश – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में संकलन-त्रय – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का उद्देश्य – 'आषाढ़ का एक दिन' शीर्षक की सार्थकता – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का अन्त – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में संकलन-त्रय – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का उद्देश्य		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : 'ध्रुवस्वामिनी'** **लेखक : जयशंकर प्रसाद** **प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, अल्हाबाद ।**	**पाठ्य पुस्तक : 'आषाढ़ का एक दिन'** **लेखक : मोहन राकेश** **प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स प्रकाशन, दिल्ली ।**

संदर्भ ग्रंथ :

१. साठोत्तरी हिन्दी के प्रमुख नाटकों में राजनीतिक व्यंग्य : डॉ. मेरगसिंह यादव – मिन्डाश पब्लिकेशन, उरइ, उत्तरप्रदेश
२. प्रसादोत्तर नाट्य-साहित्य : डॉ. विजय बापट – हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानावत, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
४. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
५. हिन्दी नाटक और नाटककार : डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल – कु. नीलम मसन्द, पुस्तक संस्थान, कानपुर
६. आधुनिक हिन्दी नाटक : एक यात्रा दशक : नरनारायण राय – भारती भाषा प्रकाशन, दिल्ली
७. हिन्दी के रंगमंचीय नाटकों का शिल्प विधान : डॉ. चन्द्रसेन नावाणी – हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद
८. हिन्दी के नाटक शिल्पी : डॉ. शान्ति मलिक – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
९. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव : विश्वनाथ मिश्र – लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१४ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी चरित्रप्रधान नाटक : अंजोदीदी, एक और द्रोणाचार्य
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण अंजोदीदी के चरित्र के प्रति आकर्षित हो ।
- छात्रों में राष्ट्रीय भावना परिष्कृत हो ।
- छात्रगण अंजोदीदी के चरित्र से नैतिक जीवन की प्रतिज्ञा प्राप्त करें ।
- छात्रगण अनुशासन की नींव को जानें ।
- एक और द्रोणाचार्य नाटक के माध्यम से छात्रो में भारतीय शैक्षिक आदर्शों का निर्माण हो ।
- छात्रों में मनोविश्लेषण शक्ति का निर्माण हो ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई–१	उपेन्द्रनाथ अश्क : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		हिन्दी नाट्य साहित्य और उपेन्द्रनाथ अश्क		
		'अंजोदीदी ' नाटक की कथावस्तु		
		नाट्यकला के आधार पर 'अंजोदीदी' का मूल्यांकन		
	ईकाई–२	'अंजोदीदी' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन		
		'अंजोदीदी' नाटक की रंग–परीकल्पना		
		'अंजोदीदी' नाटक में युग–बोध		
		'अंजोदीदी' नाटक में नैतिक जीवन		
	ईकाई–३	शंकर शेष : व्यक्तित्व एवं कृतित्व		
		'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का कथानक		
		नाटक तत्वों के आधार पर 'एक और द्रोणाचार्य' का मूल्यांकन		
		'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन		
	ईकाई–४	'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की आधुनिकता		
		'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में व्यक्त समस्याएँ		
		'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में व्यक्त शिक्षण–व्यवस्था		
		'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में युग–बोध		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप			समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न			२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'अंजोदीदी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता	– 'अंजोदीदी' नाटक में अंजली का अन्तर्द्वन्द्व	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का उद्देश्य		०२	०७	१४
	– 'अंजोदीदी' नाटक की भाषा–शैली	– 'अंजोदीदी' नाटक का संकलन–त्रय	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की भाषा–शैली				
	– 'अंजोदीदी' नाटक में व्यक्त भारतीय–आदर्श	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का संकलन–त्रय	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का अन्त				
	– 'अंजोदीदी' नाटक का अन्त	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के शीर्षक की सार्थकता	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की संवाद–योजना				

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : 'अंजोदीदी'** **लेखक : उपेन्द्रनाथ अश्क** **प्राप्ति स्थान : नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद ।**	**पाठ्य पुस्तक : 'एक और द्रोणाचार्य'** **लेखक : शंकर शेष** **प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।**

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. कृष्णलाल, हिन्दी परीषद प्रकाशन, प्रयाग
२. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. आधुनिकता और सर्जनशीलता : रघुवंशी – दी मैकमिलन कंपनी ऑफ इण्डिया लि., दिल्ली
४. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
५. हिन्दी वाङ्मय: बीसवीं शतीं : सं. डॉ. नगेन्द्र – विनोद पुस्तक मंदीर, आगरा
६. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
८. हिन्दी और गुजराती नाट्य–साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. रघुवीर उपाध्याय – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
९. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१०. प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य : डॉ. विजय बापट – मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
११. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
१२. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१५. हिन्दी साहित्य : रचना से अलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१६. हिन्दी साहित्य का प्रवृति पर के इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१७. तीर्थोदक : डॉ. गिरिश त्रिवेदी : अभिनन्दन ग्रंथ – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१८. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाबराय लक्ष्मी नारायण – अग्रवाल प्रकाशन, आगरा

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१५
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग १ : भ्रमरगीतसार, कवितावली
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य : ➢ पाठ्यक्रम संबंधित छात्र मध्यकालीन सगुण भक्त साधकों का परिचय प्राप्त करें । ➢छात्रगण भारतीय भक्ति परम्परा में सूरदास के स्थान को जानें । ➢छात्रगण तुलसी के सामाजिक चेतना संबंधी विद्रोही तेवर को विस्तार से जानें ।
➢ छात्रगण सगुणमार्गीय चिन्तन की परम्परा में तुलसी का स्थान निर्धारित करें । ➢छात्रगण सूरदास के जीवनवृत को विस्तार से समझें । ➢ छात्रगण तुलसी के शास्त्र-निष्ठ आध्यात्म चिन्तन को विस्तार से जानें ।
➢ छात्रगण सूरदास के पदों की दार्शनिकता, कृष्णप्रेम की सात्विकता, अभिव्यक्ति एवं भक्तिभावना को जानें । ➢ छात्रगण निर्गुण एवं सगुण भक्तों की तुलना करें । ➢छात्रगण सूरदास के पदों की प्रासंगिकता को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	सगुणभक्ति आन्दोलन और राम साहित्य	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		तुलसी युगीन समाज और संस्कृति		
		तुलसी का जीवनवृत		
		तुलसी की भक्ति भावना		
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कवितावली' का मूल्यांकन		
		मध्यकालीन धर्म-साधना और तुलसी		
	ईकाई-२	तुलसी के दार्शनिक विचार		
		तुलसी का समाज-दर्शन		
		तुलसी समाज सुधारक के रूप में		
		'कवितावली' में व्यक्त आधुनिक संदेश		
		राममार्गी भक्ति की विशेषताओं के आधार पर तुलसी का मूल्यांकन		
		तुलसी का समसामयिक परवर्ती संतों पर प्रभाव		
	ईकाई-३	कृष्ण-भक्ति आन्दोलन और सूरदास		
		'भ्रमरगीतसार' की कथावस्तु		
		सूरदास का जीवन वृत		
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'भ्रमरगीतसार' का मूल्यांकन		
	ईकाई-४	कृष्ण भक्ति परम्परा में सूरदास का स्थान		
		सूरदास की भक्ति भावना		
		सूरदास के काव्य की दार्शनिकता		
		सूरदास के काव्य में व्यक्त सामाजिक चेतना		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप				समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न				२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – तुलसी की अन्य कृतियाँ	– 'कवितावली' की छन्द-योजना	– सूरदास की अन्य कृतियाँ	– सूरदास की सख्य भक्ति		०२	०७	१४
	– तुलसी का अध्यात्म	– तुलसी के राम	– सूरदास की सगुण भक्ति	– 'भ्रमरगीतसार' के प्रेम सबंधी पद				
	– 'कवितावली' की भाषा	– तुलसी का दार्शनिक रूप	– सूरदास की नवधा भक्ति	– 'भ्रमरगीतसार' की भाषा				

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : 'कवितावली'** **लेखक : तुलसीदास** **प्राप्ति स्थान : काशी पुस्तक भंडार, बनारस ।**	**पाठ्य पुस्तक : 'भ्रमरगीतसार'** **लेखक : सूरदास** **प्राप्ति स्थान : अनिता प्रकाशन, दिल्ली ।**

संदर्भ ग्रंथ :

१. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति-साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
२. मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का सामाजिक विवेचन : डॉ. सुमन शर्मा – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
३. उत्तरी भारत की संत-परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती भण्डार, प्रयाग
४. हमारे कवि और लेखक : डॉ. राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी –श्री राकेश प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
५. प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य : सं. डॉ. वीरेन्द्रनारायण सिंह – धुमिल प्रकाशन, अहमदाबाद
६. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
७. 'सारसार को गही रहै, थोथा देह उडाय': डॉ. शैलेश के. मेहता – बालाजी फ्रेण्ड्स ग्रुप, राजकोट
८. मध्यकालीन भक्ति काव्य की धार्मिक पृष्ठभूमि : डॉ. रामनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी-गुजराती काव्य विविध संदर्भ : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१०. मध्ययुगीन हिन्दी कविता : डॉ. जी.भास्कर भैया – डॉ. माधवी एस. भंडारी, जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
११. भक्ति काव्य की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
१२. मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचार-पक्ष का आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल – आस्था प्रकाशन, भोपाल
१३. सूरदास और तुलसीदास का राम भक्ति काव्य : प्रा. विजय एम. सोजित्रा – पैराडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
१४. प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन : डॉ. कैलाश उपाध्याय – श्री निवास प्रकाशन, जयपुर
१५. साहित्यादर्श : डॉ. स्मिता सी. पटेल – उर्मिलमानस प्रकाशन, न्यु दिल्ली
१६. 'भ्रमरगीत' का काव्य-वैभव : डॉ. मनमोहन गौतम
१७. सूरदास : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, नंदकिशोर एण्ड ब्रदर्स, बनारस
१८. कवितावली : टीकाकार – देवनारायण द्विवेदी, काशी पुस्तक भंडार, बनारस ।
१९. कवितावली : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१५ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य – १ : पृथ्वीराज रासो (रेवा तट), विद्यापति पदावली (पद १ से २५)
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्र आदिकालीन साहित्य को विस्तार से जानें
- छात्रगण 'चंद बरदाई' के जीवनवृत को समझे ।
- छात्रगण रासो काव्य परंपरा को जानें ।
- छात्रगण पृथ्वीराज की वीरता, युद्ध कौशल को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण 'विद्यापति पदावली' के रस सौंदर्य से अभिभूत होंगे ।
- छात्रगण विद्यापति के काव्य सौंदर्य को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण आदिकालीन भाषा–सौष्ठव को 'विद्यापति पदावली' के माध्यम से जानें ।
- छात्रगण विद्यापति की भक्तिभावना को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई–१	रासो काव्य परंपरा : उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		रासो काव्य परंपरा में पृथ्वीराज रासो का स्थान		
		चंद बरदाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व		
		'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता–अप्रामाणिकता विषयक विचार		
	ईकाई–२	'पृथ्वीराज रासो' (रेवा तट) की कथावस्तु		
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'पृथ्वीराज रासो' (रेवा तट) का मूल्यांकन		
		'पृथ्वीराज रासो' (रेवा तट) की चरित्र–सृष्टि		
		'पृथ्वीराज रासो' (रेवा तट) में युद्ध वर्णन		
	ईकाई–३	विद्यापति : व्यक्तित्व एवं कृतित्व		
		'विद्यापति पदावली' का हिन्दी साहित्य में स्थान		
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विद्यापति पदावली' का मूल्यांकन		
		गीतिकाव्य परंपरा और विद्यापति		
	ईकाई–४	मुक्तकाव्य परंपरा और विद्यापति		
		'विद्यापति पदावली' में यौवन, श्रृंगार एवं प्रकृति चित्रण		
		'विद्यापति पदावली' की काव्यगत विशेषताएँ		
		'विद्यापति पदावली' में विरह वर्णन		
		'विद्यापति पदावली' में प्रेम निरूपण		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रासो शब्द का अर्थ – 'पृथ्वीराज रासो' शीर्षक – भक्त कवि विद्यापति – 'विद्यापति पदावली' की भाषा शैली – 'पृथ्वीराज रासो' की भाषा – 'पृथ्वीराज रासो' की रस योजना – विद्यापति की राधा – 'विद्यापति पदावली' की रस योजना		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : 'पृथ्वीराज रासो' (रेवा तट) – लेखक : चंद बरदाई** **संपादक : सं. विपिन बिहारी त्रिवेदी** **प्राप्ति स्थान : हिन्दी–विभाग, लखनऊ विश्व–विद्यालय, लखनऊ ।**	**पाठ्य पुस्तक : विद्यापती पदावली – लेखक : विद्यापती** **संपादक : रामवृक्ष बेनीपुरी** **प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।**

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. निर्गुण साहित्य : सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. मोतीसिंह – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
४. संत–साहित्य के प्रेरणा–स्रोत : परशुराम चतुर्वेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
५. निर्गुण संतो के स्वप्न : डेविड एन. लोरेंजन – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. वीर काव्य सं. : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती–भण्डार, इलाहाबाद
७. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. 'पृथ्वीराज रासो' : सं. कविराय मोहनसिंह, साहित्य संस्थान, उदयपुर
९. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो : सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं नामवरसिंह, साहित्य भवन, प्रयाग
१०. पृथ्वीराज–विजय : सं. गौरीशंकर हीराचंद ओझा, अजमेर
११. विद्यापति : डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. विद्यापति की काव्य–साधना : देशराजसिंह भाटी, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
१३. विद्यापति : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
१४. विद्यापति पदावली : सं. डॉ. सुरेन्द्रनाथ दीक्षित, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन : संपा. डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
१६. सार सार को गहि रहै, थोथा देई उडाय : डॉ. शैलेश के. मेहता – बालाजी फेण्ड्स ग्रुप, राजकोट
१७. कीर्तिलता और अवहट्‌ठ भाषा : डॉ. शिवप्रसाद सिंह – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१६
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी निबंध साहित्य : निबंधायन (क्रम १ से १२)
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र हिन्दी निबंध का स्वरूप एवं विकास जानें ।
- छात्रगण हिन्दी निबंध-सृजन प्रक्रिया को समझें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम के निबंधों का अभिप्राय समझें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से संदर्भित छात्रों में निबंध-लेखन प्रतिभा का विकास होगा ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम के निबंधों के माध्यम से लेखक के उपदेश एवं आत्म-व्यंजना को जानें ।
- छात्रगण निबंधकार के विचार, अनुभूति एवं लालित्यपूर्ण शैली को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी निबन्ध : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		'आत्म-गौरव' का सार		
		'समय' का निबंध-कला की दृष्टि से मूल्यांकन		
		'विश्वास' निबंध में व्यक्त प्रतापनारायण मिश्र की वैचारिकता		
	ईकाई-२	'हिन्दी भाषा की भूमिका' निबंध में व्यक्त वैचारिकता		
		'कवि और कविता' निबंध में महावीरप्रसाद द्विवेदी की साहित्य-सृजनदृष्टि		
		'जीवन में साहित्य का स्थान' निबंध में प्रेमचंद की संवेदनशीलता		
	ईकाई-३	'मजदूरी और प्रेम' में व्यक्त संवेदनशीलता		
		'लज्जा और ग्लानि' निबंध में व्यक्त वैचारिकता		
		'राष्ट्रोन्नति में जातीय गर्व की महत्ता' निबंध में व्यक्त राष्ट्रीयता		
	ईकाई-४	'कुटज' निबंध का सार		
		'अवशेष' निबंध का सारांश		
		'आदि काव्य' में रामविलास शर्मा की वैचारिकता		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'समय' निबंध का शीर्षक – 'कवि और कविता' निबंध का उद्देश्य – 'विश्वास' निबंध का उद्देश्य – 'अवशेष' निबंध में व्यक्त व्यंग्यात्मकता – 'कवि और कविता' निबंध की भाषा–शैली – 'मजदूरी और प्रेम' निबंध का उद्देश्य – 'कुटज' निबंध का शीर्षक – 'कवि और कविता' निबंध का शीर्षक		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : निबंधायन
संपादक : डो. केशवदत्त रुवाली
प्राप्ति स्थान : विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य–सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. हिन्दी ललित निबन्ध : परंपरा एवं प्रयोग : वेदवती राठी – पाठक प्रकाशन, अलीगढ
३. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबन्धकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त – रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
५. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. पी. वासवदत्ता – युगवाणी प्रकाशन, इलाहाबाद
६. साहित्यकार और चिन्तक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
७. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलार वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी
८. प्रेमचन्द के निबन्ध–साहित्य में सामाजिक चेतना : अर्चना जैन – इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
९. हजारीप्रसाद द्विवेदी के सर्जनात्मक साहित्य : डॉ. सुधीर चौहान – शिवालीक प्रकाशन, दिल्ली
१०. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध और भारतीय संस्कृति के तत्व : डॉ. शैलेश के. मेहता – लायन्स क्लब, धोराजी
११. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के साहित्य में सौंदर्य और प्रेम : डॉ. चन्द्रशेखर मालवीय – ज्ञान प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य : रचना के आलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१३. चिन्तामणी : रामचन्द्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
१४. ठेले पर हिमालय : धर्मवीर भारती – भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. निबंधमंजरी : रामलाल – ला. ख. जैन, दिल्ली

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - वर्ष २०२०

विषय	हिन्दी
सत्र	५
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१६ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पर्यावरण एवं प्रदूषण
परीक्षा समयावधि	०२:३० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण वैश्विक पर्यावरण की समस्या को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण संबंधी भारतीय संवैधानिक अनुच्छेदों को विस्तार से जानें ।
- संबंधित पाठ्यक्रम के छात्र समयानुसार परिवर्तित पर्यावरण संबंधी स्थिति की भयानकता को जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण के स्रोतों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण की सुरक्षा करें ।
- छात्रगण भौतिक तथा सामाजिक पर्यावरण की जानकारी प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	ईकाई-१	आधुनिक जीवन एवं पर्यावरण	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०२
		जल प्रदूषण		
		ध्वनि प्रदूषण		
		वायु प्रदूषण		
	ईकाई-२	मृदा प्रदूषण		
		सागर प्रदूषण		
		पर्यावरण रक्षा		
		जन संख्या प्रदूषण		
	ईकाई-३	पर्यावरण प्रदूषण : कानून		
		पर्यावरण प्रदूषण : समस्या		
		पर्यावरण प्रदूषण और हम		
		पर्यावरण प्रदूषण समाधान		
	ईकाई-४	पर्यावरण संरक्षण में विभिन्न अभिकरणों का योगदान		
		पर्यावरण शिक्षा और जनसंचार		
		मानव और पर्यावरण का संबंध		
		भारत में पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रयास		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०२

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – पर्यावरण का महत्त्व – मानवीय जीवन में पर्यावरण का महत्त्व – पर्यावरण एवं जनजागृति – औद्योगिकता एवं पर्यावरण – पर्यावरण शिक्षा का महत्त्व – वर्तमान पर्यावरण की समस्याएँ		०२	०७	१४

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पर्यावरण एवं प्रदूषण
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि : डॉ. विनयकुमार पाठक– प्रयास प्रकाशन, बिलासपुर
२. आधुनिक जीवन और पर्यावरण : दाहोदर शर्मा – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
३. जंगल प्रदूषण : शिवगोपाल मिश्र – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वायु प्रदुषण : ध्वनि प्रदुषण : शिवगोपाल मिश्र : सुनीलदत्त तिवारी : डी. डी. ओझा : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
५. मुद्रा प्रदुषण : सागर प्रदुषण : शिवगोपाल मिश्र : दिनेश मणि : श्यामसुंदर शर्मा : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
६. पर्यावरण और हम : शुकदेव प्रसाद – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
७. १००० पर्यावरण प्रश्नोत्तरी : दिलीप एम. सालवी – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
८. पर्यावरण शिक्षा : हरिश्चंद्र व्यास – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
९. जनसंख्या प्रदुषण और पर्यावरण : हरिश्चंद्र व्यास – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. पर्यावरण शिक्षा : डॉ. उषा सुराना – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
११. पर्यावरण शिक्षा : बिठ्ठल कुमार सनाढ्य – प्रेरणा प्रकाशन, दिल्ली